3 फुँदनों वाली टोपी

• कहानी •

सरदी	मौसम	फुँदना	बिलकुल	तारीफ़	स्कूल
कैंची	चिढ़ाना	बेढंगी	दोस्त	इकट्ठा	तालियाँ

एक बार की बात है। सरदी का मौसम था। पुरु की नानी ने ऊन की एक सुंदर टोपी बनाई। उस टोपी में चार फुँदने भी लटकाए। नानी ने वह टोपी पुरु को दी।

पुरु ने उस टोपी को पहना, तो खुश हो गया। वह बोला, "नानी, नानी! टोपी तो बहुत सुंदर है। इसे पहनकर तो मैं बिलकुल राजकुमार बन गया। ज़रा देखो तो सही।"

यह सुनते ही नानी की हँसी छूट गई।

अगले दिन पुरु टोपी पहनकर स्कूल गया। वह बहुत खुश था, सोच रहा था कि सब उसकी तारीफ़ करेंगे। लेकिन यह क्या! बच्चे इकट्ठे होकर उसका मज़ाक उड़ाने लगे—चार फुँदनों वाली टोपी! देखो-देखो, पुरु की अजीब-सी टोपी!"

सब तालियाँ बजा-बजाकर उसकी हँसी उड़ाने लगे।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को कहानी में आए अनुस्वार, अनुनासिक शब्दों का उच्चारण एवं लेखन का अभ्यास कराएँ।
- बच्चों को कहानी स्वयं सुनाकर फिर उनसे रोचक ढंग से प्रश्न करें।

पुरु घर आया और नानी से बोला, "स्कूल में बच्चे मज़ाक उड़ा रहे थे। आप ऐसा करो, एक फुँदना कम कर दो।"

नानी ने टोपी से एक फुँदना काट दिया।

अगले दिन पुरु फिर स्कूल गया। बच्चों ने फिर उसकी हँसी उड़ाई। अरे, देखो-देखो! पुरु की तीन फुँदनों वाली अजीब-सी टोपी।" उसने नानी से कहकर टोपी का एक फुँदना और कटवा दिया।

पुरु अगले दिन फिर दो फुँदनों वाली टोपी पहनकर स्कूल पहुँचा। फिर वही मुसीबत।

बच्चों ने उसे फिर चिढ़ाया—"देखो, पुरु की अजीब-सी टोपी।" इसमें दो फुँदने लटक रहे हैं।"

पुरु घर आया, चुपचाप कैंची उठाई और एक फुँदना काट डाला। अब बचा केवल एक ही फुँदना। अगले दिन वह फिर स्कूल पहुँचा। बच्चे फिर हँसने लगे। वे बोले, "अरे, पुरु की टोपी अजीब-सी टोपी। इसमें एक फुँदना लटक रहा है।"

अब आया पुरु को गुस्सा। उसने घर आकर कैंची उठाई और एक फुँदना भी काट डाला। वह खुश था कि अब उसे कोई नहीं चिढ़ाएगा।

लेकिन यह क्या? बिना फुँदनों की टोपी लगाकर जब पुरु स्कूल पहुँचा, तो बच्चे फिर ज़ोर से हँसे और बोले, "अरे! देखो, पुरु की बेढंगी टोपी। आज तो सब फुँदने गायब हैं। देखो, बिना फुँदने वाली टोपी, बिना फुँदने की टोपी।"

स्कूल से आकर पुरु उदास होकर बैठ गया। वह सोचने लगा, मैंने बेकार ही अपनी टोपी के फुँदने कटवाए। कम-से-कम वे मुझे तो अच्छे लगते थे। दोस्त तो होते ही हैं, हँसी उड़ाने के लिए। लेकिन हमें अपनी अकल से काम करना चाहिए।

—संकलित

MeyokedesMe

फुँदने – फूल जैसी गाँठ। **तारीफ़** – बड़ाई। **मज़ाक** – हँसी। **अजीब** – अनोखा। **मुसीबत** – परेशानी। **चिढ़ाना** – नाराज़ करना। **बेढंगी** – भद्दी। **दोस्त** – मित्र। **अकल** – बुद्धि।

विशेष : **मानक वर्तनी के प्राचीन एवं नवीन रूप**

सर्दी – सरदी   सुन्दर – सुंदर   बिल्कुल – बिलकुल   बच्चे – बच्चे   इकट्ठे – इकट्ठे

समग्र एवं सतत अभ्यास

Summative and Formative Assessment — **CCE Based**

पाठ बोध

1. सही उत्तर के सामने ✓ लगाइए:

MCQs

क. नानी ने पुरु को क्या बुनकर दिया?	टोपी ☐	स्वेटर ☐
ख. नानी ने टोपी में कितने फुँदने लटकाए?	तीन ☐	चार ☐
ग. पुरु टोपी को पहनकर कहाँ गया?	स्कूल ☐	मंदिर ☐
घ. पुरु ने नानी से कितने फुँदने कटवाए?	तीन ☐	दो ☐
ङ. अंत में बच्चों ने पुरु की टोपी कैसी बताई?	सुंदर ☐	बेढंगी ☐

2. सही वाक्यों के सामने ✓ लगाइए:

समेटिव असेसमेंट

क. टोपी पुरु की नानी ने बुनी थी। ☐

ख. सब बच्चों ने टोपी की प्रशंसा की। ☐

ग. पुरु ने टोपी के चारों फुँदने काट दिए। ☐

घ. हमें दूसरों की हँसी नहीं उड़ानी चाहिए। ☐

ङ. पुरु ने नानी के कहने पर टोपी के फुँदने काट दिए थे। ☐

3. ऐसा किसने कहा?

क. "इसे पहनकर तो मैं बिलकुल राजकुमार बन गया।" ______________

ख. "देखो-देखो! पुरु की चार फुँदनों वाली टोपी।" ______________

ग. "आप इसमें से एक फुँदना काट दो।" ______________

4. समान अर्थ वाले शब्द के आगे ✓ लगाइए:

सरदी	– जाड़ा	☐	गरमी	☐	शीत	☐	M C Qs
मज़ाक	– चुटकुले	☐	हँसी	☐	गुस्सा	☐	
अजीब	– सुंदर	☐	बेढंगी	☐	विचित्र	☐	
बेकार	– दुखी	☐	व्यर्थ	☐	ऐसे ही	☐	

भाषा एवं व्याकरण

1. समझिए और कीजिए:

नाना – नानी	दादा – _____	मामा – _____
चाचा – _____	बच्चा – _____	लड़का – _____
टोपी – _____	छतरी – छतरियाँ	ताली – _____
पेटी – _____	लकड़ी – _____	गठरी – _____

2. सही शब्द पर ◯ बनाइए:

सदरी	सरदी	शरदी	M C Qs	चिढ़ना	चिढ़ाना	चीड़ाना
स्कूल	सकूल	इस्कूल		बेढंगी	बड़ेंगी	बेगंढ़ी
फूँदना	फूंदना	फुँदना		दोसत	दोस्त	दोष्त

मौखिक अभिव्यक्ति

सोचकर बताइए:

फॉरमेटिव असेसमेंट

क. नानी ने टोपी में क्या लगाया था?

ख. टोपी पहनकर पुरु क्या बोला?

ग. पुरु उदास क्यों हो गया था?

घ. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

1. बाज़ार में मिलने वाली विभिन्न तरह की टोपियों के चित्र एकत्र कर स्क्रैप बुक में चिपकाएँ।
2. टोपी या पगड़ी क्यों पहनी जाती है? अपने शिक्षक से जानिए।